

This Question Paper consists of 15 questions and 8 printed pages.
इस प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

अनुक्रमांक

Code No. 69/S/A
कोड संख्या

Set / सेट –

A

CARNATIC MUSIC
(कर्नाटक संगीत)
(243)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

Signature of Invigilators

1. _____

(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. _____

General Instructions :

- 1 Candidate must write his/her Roll Number on the first page of the Question Paper.
- 2 Please check the Question Paper to verify that the total pages and the total number of questions contained in the Question Paper are the same as those printed on the top of the first page. Also check to see that the questions are in sequential order.
- 3 For the objective type of questions, you have to choose any **one** of the four alternatives given in the question, i.e. (A), (B), (C) or (D) and indicate your correct answer in the Answer-Book given to you.
- 4 Making any identification mark in the Answer-Book or writing Roll Number anywhere other than the specified places will lead to disqualification of the candidate.
- 5 (a) This Question Paper is Bi-lingual i.e., English and Hindi. However, if you wish, you can answer in any one of the languages listed below :
English, Hindi, Urdu, Punjabi, Bengali, Tamil, Malayalam, Kannada, Telugu, Marathi, Odia, Gujarati, Konkani, Manipuri, Assamese, Nepali, Kashmiri, Sanskrit and Sindhi.
You are required to indicate the language you have chosen to answer in the box provided in the Answer-Book.
(b) If you choose to write the answer in the language other than Hindi and English, the responsibility for any errors/mistakes in understanding the question will be yours only.
- 6 Candidate will not be allowed to take Calculator, Mobile Phone, Bluetooth, Earphone or any such electronic devices in the Examination Hall.
- 7 In case of any doubt or confusion in the question paper, the English version will prevail.
- 8 Write your Question Paper Code No. **69/S/A, Set - A** on the Answer-Book.

69/S/A—243-A]

1



[Contd...

Unnati Educations

9899436384, 9654279279

सामान्य अनुदेश :

- 1 परीक्षार्थी प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
- 2 कृपया प्रश्नपत्र को जाँच लें कि प्रश्नपत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की संख्या उतनी ही है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
- 3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) अथवा (D) में से कोई एक उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में उस सही उत्तर को लिखना है।
- 4 उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
- 5 (क) यह प्रश्न-पत्र दो भाषाओं में है अर्थात् अंग्रेजी एवं हिंदी। फिर भी, यदि आप चाहें तो नीचे दी गई किसी एक भाषा में उत्तर दे सकते हैं :
अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बंगला, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगु, मराठी, उड़िया, गुजराती, कोंकणी, मणिपुरी, असमिया, नेपाली, कश्मीरी, संस्कृत और सिंधी।
कृपया उत्तर-पुस्तिका में दिए गए बॉक्स में लिखें कि आप किस भाषा में उत्तर लिख रहे हैं।
(ख) यदि आप हिंदी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में उत्तर लिखते हैं, तो प्रश्नों को समझने में होने वाली त्रुटियों / गलतियों की जिम्मेदारी केवल आपकी होगी।
- 6 परीक्षार्थी को परीक्षा हॉल में कैल्कुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है।
- 7 प्रश्नपत्र में किसी भी प्रकार के संदेह अथवा दुविधा की स्थिति में अंग्रेजी अनुवाद ही मान्य होगा।
- 8 अपनी उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नपत्र की कोड संख्या **69/S/A, सेट – A** लिखें।

NOTE / निर्देश :

- (1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
- (2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।



CARNATIC MUSIC

(कर्नाटक संगीत)

(243)

Time : 2 Hours]

[Maximum Marks : 40

समय : 2 घण्टे]

[पूर्णांक : 40

- Note :**
- (i) This question paper consists of **15** questions in all.
 - (ii) All questions are compulsory.
 - (iii) Marks are given against each question.
 - (iv) **Section A consists of -**
Q. No. **1** to **8** - Multiple Choice Questions (MCQs) carrying **01** mark each. Select and write the most appropriate option out of the four options given in each of these questions.
 - (v) **Section B consists of** Objective Type Questions. Q. No. **9** and **10**.
Read the passages and attempt the given below questions.
 - (vi) **Section C consists of** Subjective Type Questions. Q. No. **11** to **15**.
 - (a) Q. No. **11** and **12** - Short questions carrying **03** marks each to be answered in the range of **50** to **60** words. An internal choice has been provided.
 - (b) Q. No. **13** Short Answer question carrying **04** marks to be answered in the range of **70** to **80** words. An internal choice has been provided.
 - (c) Q. No. **14** and **15** - Long Answer questions carrying **05** marks each to be answered in the range of **80** to **100** words. An internal choice has been provided.

- निर्देश :**
- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **15** प्रश्न हैं।
 - (ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
 - (iii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।
 - (iv) खण्ड अ के प्रश्न इस प्रकार हैं :
प्रश्न संख्या **1** से **8** तक बहुविकल्पी प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न **01** अंक का है। इन प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प को चुनिए तथा प्रश्न संख्या के सामने लिखिए।
 - (v) खण्ड ब के प्रश्नों में प्र. सं. **9** और **10** वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं।
गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
 - (vi) खण्ड स के प्रश्नों में प्र. सं. **11** से **15** विषयपरक प्रकार के प्रश्न हैं।
 - (a) प्रश्न संख्या **11** एवं **12** लघु उत्तर प्रकार के प्रत्येक **03** अंकों के प्रश्न हैं। जिनकी उत्तर शब्द सीमा **50** से **60** शब्द है। आंतरिक पसंदगी दी गयी है।
 - (b) प्रश्न संख्या **13** लघु उत्तर प्रकार का **04** अंक का प्रश्न है। जिनकी उत्तर शब्द सीमा **70** से **80** शब्द है। आंतरिक पसंदगी दी गयी है।
 - (c) प्रश्न संख्या **14** एवं **15** दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रत्येक **05** अंकों के प्रश्न हैं। जिनकी उत्तर शब्द सीमा **80** से **100** शब्द है। आंतरिक पसंदगी दी गयी है।



Unnati Educations

9899436384, 9654279279

SECTION – A

खण्ड – अ

Multiple Choice Questions (MCQ).

बहुविकल्पीय प्रश्न।

- 1 The composer known by the name Karnataka Sangita Pitamaha 1
(A) Jayadeva (B) Purandaradasa
(C) Tyagaraja (D) Bhadrachala Ramadas
वह संगीतकार जो कि कर्नाटक संगीत पितामह के रूप में जाने जाते हैं –
(A) जयदेव (B) पुरंदरदास
(C) त्यागराज (D) भद्राचल रामदास
- 2 The composer of the musical opera “Ajamilopakhyaana” : 1
(A) Swati Tirunal (B) Tyagaraja
(C) Muthuswami Dikshitar (D) Syama Sastri
म्यूजिकल ऑपेरा “अजामिलोपाख्यान” के रचयिता / कंपोजर हैं –
(A) स्वाति तिरूनल (B) त्यागराज
(C) मुत्तुस्वामी दीक्षितर (D) स्यामा शास्त्री
- 3 The 72 Asampurna Melakarta Scheme was mentioned in which treatise? 1
(A) Sangitasara (B) Swaramela Kalanidhi
(C) Chaturdandi Prakasika (D) Natyasastra
किस ग्रंथ में 72 असंपूर्ण मेलकर्ता पद्धति का उल्लेख किया गया था?
(A) संगीतसार (B) स्वरमेल कलानिधि
(C) चतुरदंडी प्रकाशिका (D) नाट्यशास्त्र
- 4 The composer of Navaratnamalika - 1
(A) Syama Sastri (B) Purandaradasa
(C) Swati Tirunal (D) Tyagaraja
नवरत्नमालिका के रचयिता हैं –
(A) स्यामा शास्त्री (B) पुरंदरदास
(C) स्वाति तिरूनल (D) त्यागराज



Unnati Educations

9899436384, 9654279279

- 5 The author of Sangitasara : 1
(A) Bharata (B) Govindacharya
(C) Ramamatya (D) Vidyaranya
संगीतसार के लेखक हैं –
(A) भरत (B) गोविंदाचार्य
(C) रामामात्य (D) विद्यारण्य
- 6 The earlier form of orchestra : 1
(A) Grama (B) Murchana
(C) Kutapa (D) Laya
आर्केस्ट्रा / वाद्यवृन्द का प्रारंभिक रूप है –
(A) ग्राम (B) मूर्छना
(C) कुटापा (D) लय
- 7 Veda which is considered as the originator of music : 1
(A) Rig Veda (B) Yajur Veda
(C) Sama Veda (D) Atharva Veda
वेद जिसे कि संगीत का जन्मदाता कहा जाता है –
(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद
- 8 A devotional singer of Bhakti movement : 1
(A) Narayana Tirtha (B) Jayadeva
(C) Mira Bai (D) Annamacharya
भक्ति आंदोलन के / की भक्तिमय गायक हैं –
(A) नारायण तीर्थ (B) जयदेव
(C) मीराबाई (D) अन्नमाचार्य



SECTION – B

खण्ड – ब

9 Read the passage carefully and fill in the blanks given below :

The ancient and medieval works on music had no chapters on Notation. Musicography is a subject of universal interest. The compositions were not recorded in notation on paper or cudjun leaves. For the medieval prabandhas, only a skeleton solfa notation was given. We can identify the crude form of notation in the century from Kudumiya Malai music inscription. During the 19th century we were able to write music with Notation. From the treatise Sangeetha Sampradaya Pradarsini of Subbarama Dikshitar we can identify notation. In the 20th century Tacchur brothers invented the correct form of notation and wrote many books on compositions of the Musical Trinity along with notation.

- | | |
|--|---|
| (a) The ancient and medieval works on music had no chapters on _____. | 1 |
| (b) The compositions were not recorded in notation on paper or on _____. | 1 |
| (c) We can identify the crude form of Notation in the century from _____. | 1 |
| (d) From the treatise _____ of Subbarama Dikshitar we can identify notation. | 1 |
| (e) For the medieval _____ only a skeleton solfa notation was given. | 1 |
| (f) In the 20 th century _____ invented the correct form of notation. | 1 |

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :
संगीत पर प्राचीन एवं मध्यकालीन कृतियों में नोटेशन पर कोई भी अध्याय नहीं है। म्यूजिकोग्राफी सार्वभौमिक हित का एक विषय है। कागज या कुडजून पत्तों पर रचनाएँ नोटेशन में लिपिबद्ध नहीं की गई थीं। मध्यकालीन प्रबन्धों के लिए मात्र स्केलेटन सोल्फा नोटेशन दिया गया था। हम शताब्दी में कुदुमिया मलई संगीत अभिलेख से नोटेशन के अशोधित रूप की पहचान कर सकते हैं। 19वीं शताब्दी के दौरान हम नोटेशन के साथ संगीत की रचना करने में सक्षम हुए। सुब्बाराम दीक्षितर के ग्रन्थ संगीत संप्रदाय प्रदर्शिनी से हम नोटेशन की पहचान कर सकते हैं। तच्चुर बंधुओं ने नोटेशन के सही रूप का आविष्कार किया तथा नोटेशन के संग संगीत त्रिक (म्यूजिकल ट्रिनिटी) की रचनाओं पर कई पुस्तकें लिखी।

- | | |
|--|--|
| (a) संगीत पर प्राचीन और मध्यकालीन रचनाओं में _____ पर कोई भी अध्याय नहीं थे। | |
| (b) रचनाओं को कागज पर या _____ पर नोटेशन में लिपिबद्ध नहीं किया गया था। | |
| (c) हम शताब्दी में नोटेशन के अशोधित रूप को _____ से पहचान सकते हैं। | |
| (d) सुब्बाराम दीक्षितकर के ग्रन्थ _____ से हम नोटेशन की पहचान कर सकते हैं। | |
| (e) मध्यकालीन _____ के लिए मात्र स्केलेटन सोल्फा नोटेशन दिया गया था। | |
| (f) 20वीं शताब्दी में _____ ने नोटेशन के सही रूप का आविष्कार किया। | |



Unnati Educations

9899436384, 9654279279

10 Read the passage carefully and answer the following questions :

Varnams are compositions that find a place both in Abhyasa Gana and Sabha Gana. Varnam consists of two angas, Purvanga and Uttaranga. The Purvanga portion is further divided into three sections, i.e. Pallavi, Anupallavi and Mukthayi swara. The Uttaranga portion has two sections, i.e. Charana and the Ettugada Swaras. There are two kinds of varnams namely Tana Varnam and Pada Varnam. Tanavarnam is a composition which is sung or played at the commencement of a concert. Pada varnam is generally used in dance concerts. Write True (T) or False (F) :

- | | |
|---|---|
| (a) Varnam belongs to only Abhyasa Gana. | 1 |
| (b) Varnam basically has two Angas—Purvanga and Uttaranga. | 1 |
| (c) There are four types of Varnas. | 1 |
| (d) Charana has further divided into three parts. | 1 |
| (e) Tanavarnam are sung at the commencement of a music concert. | 1 |
| (f) Padavarnams are performed for Dance recital. | 1 |

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और फिर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्णम वे रचनाएँ हैं जिन्हें अभ्यास गण एवं सभा गण दोनों में स्थान प्राप्त है। वर्णम में दो अंग—पूर्वांग और उत्तरांग समाविष्ट हैं। पूर्वांग भाग को पुनः तीन खण्डों में विभाजित किया गया है, अर्थात् पल्लवी, अनुपल्लवी और मुक्तयी स्वर। उत्तरांग भाग में दो खण्ड हैं, अर्थात् चरण और एटुगड़ा स्वर। वर्णम के दो प्रकार हैं यथा तान वर्णम और पद वर्णम। तान वर्णम वह रचना है जिसे कंसर्ट / संगीत समारोह की शुरुआत में गाया या अभिमंचन किया जाता है। पद वर्णम को समान्यतः नृत्य कंसर्ट में इस्तेमाल किया जाता है।

सही या गलत लिखिए :

- | | |
|--|--|
| (a) वर्णम सिर्फ अभ्यास गण से संबंधित है। | |
| (b) वर्णम में मुख्य रूप से दो अंग होते हैं – पूर्वांग और उत्तरांग। | |
| (c) वर्ण चार प्रकार के होते हैं। | |
| (d) चरण पुनः तीन भागों में विभाजित किया गया है। | |
| (e) संगीत समारोह/कंसर्ट की शुरुआत में तान वर्णम गाया जाता है। | |
| (f) पद वर्णमों का निष्पादन नृत्य प्रस्तुति के लिए किया जाता है। | |

SECTION – C

खण्ड – स

- 11 (a) Explain the importance of Natyasastra in the field of music. 3
संगीत के क्षेत्र में नाट्यशास्त्र के महत्व का वर्णन कीजिए।
OR / अथवा
(b) Discuss about the musical form 'Tarangam'.
संगीत के रूप तरंगम का वर्णन कीजिए।
- 12 (a) How Tara and Mandrasthayi swaras are written in notation? 3
नोटेशन में तर और मन्द्रस्थायी स्वर कैसे लिखे जाते हैं ?
OR / अथवा
(b) "Tillana is one of the liveliest musical form" – Justify the statement.
"तिल्लाना सबसे जीवंत संगीत मंचों में से एक है।" – इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।
- 13 (a) How did the Bhakti Movement contribute to the development of 4
Carnatic Music?
कर्नाटक संगीत के विकास में भक्ति आंदोलन ने किस प्रकार योगदान दिया ?
OR / अथवा
(b) Why does Padam has a major role in dance concerts?
नृत्य संगीत समारोह में पदम की प्रमुख भूमिका क्यों है ?
- 14 (a) Briefly explain the contribution of Syama Sastri to the world of 5
Carnatic Music.
कर्नाटक संगीत की दुनिया में स्यामा शास्त्री के योगदान का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
OR / अथवा
(b) Why is 18th century regarded as the Golden Age of Carnatic Music?
18वीं शताब्दी को कर्नाटक संगीत के स्वर्ण काल के तौर पर क्यों माना गया है ?
- 15 (a) Explain the history of Indian Music in the medieval period. 5
मध्यकालीन समय में भारतीय संगीत के इतिहास का वर्णन कीजिए।
OR / अथवा
(b) Discuss about the life of Bhadrachala Ramadasa and his contribution to
Carnatic Music.
भद्राचल रामदास के जीवन और कर्नाटक संगीत में उनके योगदान का वर्णन कीजिए।

